मंत्रालय में कर्मचारियों की संख्या कम करना

2428. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय के दो सचिवों के स्थान पर इस समय केवल एक सचिव है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार का विचार संयुक्त सचिव, उप-सचिव, आदि जैसे पदों की संख्या में भी कमी करने का है ;

(घ) क्या उनके मंत्रालय और उससे सम्बद्ध स्वायत्त निगमों में कर्मचारियों की संख्या कार्य के लिहाज से बहुत अधिक है; और

(ङ) इस बारे में सरकार का कब तक मितव्ययता करने का प्रस्ताव है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री (श्री मोहन धारिया) : (क) तथा (ख). जून, 1977 से पहले वाणिज्य मंत्रालय में तीन सचिव थे, अर्थात् सचिव (वाणिज्य), सचिव (विदेश व्यापार) तथा सचिव (वस्त्र) तब से कार्य का बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने तथा मितव्ययिता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय का पुनर्गठन किया गया है। इस समय केवल दो सचिव हैं अर्थात् वाणिज्य सचिव, जो निर्यात उत्पादन तथा विदेशी व्यापार का कार्य देखते हैं और सचिव (वस्त्र) जो वस्त्र से सम्बन्धित सारा कार्य देखते हैं जिसमें सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र, मानव-निर्मित रेशे तथा पटसन वस्त्र शामिल हैं। वे हस्तशिल्प से सम्बन्धित कार्य को भी देखते हैं।

(ग) जी नहीं।

(घ) तथा (ङ). मंत्रालय तथा इसके स्वायतशाषी निकायों के कार्य भार की अवधिक समीक्षा कार्य अध्ययन यूनिट द्वारा की जाती है। कार्य अध्ययन ग्रुप की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार वाणिज्य मंत्रालय में कर्मचारियों की संख्या कार्यभार की तुलना में अधिक नहीं है। मितव्ययिता की दृष्टि से ये समीक्षाएं समय-समय पर की जाती रहेंगी तथा तदनुसार स्टाफ की संख्या को समायोजित किया जायेगा।

भारतीय पर्यटन विकास निगम द्वारा होटलों का खोला जाना

2429. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान दिल्ली स्थित भारतीय पर्यटन विकास निगम के होटलों से कुल कितनी वार्षिक आय हुई ?

(ख) क्या निगम का विचार पर्वतीय नगरों में और उत्तर प्रदेश के आगरा, इलाहबाद और वाराणसी के पर्यटन केन्द्रों में होटल खोलने का है ;

(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) भारत पर्यटन विकास निगम दिल्ली में 6 होटलों का संचालन कर रहा है। 1974–75, 1975–76 तथा 1976–77 के दौरान इन होटलों की कुल वार्षिक बिक्री क्रमशः 832.08 लाख, 924.95 लाख तथा 1081.43 लाख रुपए (अनंतिम) थी।